571

MASA-06

June - Examination 2017

M. A. (Final) Sanskrit Examination

नाटक तथा नाटक शास्त्र

Paper - MASA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब', 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रतिप्रश्न अङ्कद्वय निर्धारित है।

1) (i) ''इदंकविभ्यःपूर्वेभ्यः'' यहाँ अभिप्रेत किन्हीं कवियों के नाम लिखिए।

(ii) वाल्मीकि महर्षि के आश्रम से अगस्त्य ऋषि के आश्रम में अध्ययन हेतु कौन जाती है?

(iii) सन्धियों के कितने प्रयोजन गिनाए गए हैं?

(iv) ''जनान्तिकम्'' को यथादशरूपक स्पष्ट करें।

(v) रत्नावली रूपक के किस भेद में समाहित होती है?

(vi) रत्नावली किस देश की राजकुमारी है?

(vii) रसविषयक भरतमुनि का सूत्र क्या है?

(viii) शान्तरस का स्थायी भाव क्या है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : यथेच्छ चार प्रश्न समाधेय हैं। अधिकतम 200 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंङ्कों का है।

2) सप्रसङ्ग व्याख्या करें –

उत्पत्तिपरिपूतायाः किमस्याः पावनान्तरैः।
तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः।।

अथवा

विनिश्चेतुं शक्यो न सुखमिति वा दुःखमिति वा
प्रमोहो निद्रा वा किमु विषविसर्पः किमु मदः।
तव स्पर्शे स्पर्शे मम हि परिमूढेन्द्रियगणो
विकारश्चैतन्यं भ्रमयति समुन्मूलयति च।।

3) ''कारुण्य की निष्पत्ति भवभूति ही करते हैं'' इस उक्ति का समर्थन कीजिए।

4) व्याख्या करें –

कस्यचिदेव कदाचिद् दयया विषयं सरस्वती विदुषः।
घटयति कमपि तमन्यो व्रजति जनो येन वैदग्धीम्।।

अथवा

अष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः।

5) नायिकानामष्टावस्थाः अधिकृत्य लेखं लिखत।

6) ससन्दर्भ व्याख्या करें।
द्वीपादन्यस्मादपि मध्यादपि जलनिधेर्दिशोऽप्यन्तात्।
आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखीभूतः।।

7) वत्सराज चार प्रकार के नायकों में से किस प्रकार में अन्तर्भूत होता है? सविमर्श लिखिए।

8) भरत की दृष्टि में रस का नाट्यों में क्या महत्त्व है? स्पष्ट कीजिए।

9) ''एको रसः करुण एव'' – भवभूति की इस उक्ति का निहितार्थ क्या है?

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) संस्कृत साहित्य में ''उत्तररामचरित'' के स्थान का आकलन कीजिए।

11) रत्नावली में समस्त नाट्यतत्त्वों के समावेश के औचित्य अनौचित्य का विमर्श कीजिए।

12) आचार्य धनिक के अनुसार ध्वनि का खण्डन कीजिए।

13) अर्थोपक्षेपकों का सलक्षण उदाहरण दीजिए।